4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के सोदपुर में एक सभा के बाद भाजपा के दो कार्यकर्ताओं पर हमला करने के मामले में। इस हमले में पीड़ित परितोष और सोमनाथ में से एक के पैर और दूसरे के कंधे में गोली लगी है।

श्रीनगर से बारामुला तक रेल सेवा बहाल

राहत ▶ 100 दिनों के बाद सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक ट्रैक पर चली रेल

कुछ दिन में बनिहाल तक पूरी तरह हो जाएगी बहाल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को श्रीनगर से बारामुला तक रेल सेवा बहाल हो गई। प्रेट्र

कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकियों के बंद को इंजन के धुएं में उड़ाती रेलगाड़ी 100 दिन बाद मंगलवार को फिर पटरी पर लौट आई। फिलहाल, रेल सेवा श्रीनगर से बारामुला तक बहाल हुई है। बारामुला और श्रीनगर के बीच सिर्फ दो बार ही रेलगाड़ी का आवागमन हुआ। वहीं, रेल सेवा को सुबह दस से तीन बजे तक ही बहाल रखा गया। परिस्थितियों के अनुकूल रहने पर एक दो दिन में बारामुला-श्रीनगर-बनिहाल ट्रैक पर रेल सेवा पूरी तरह बहाल कर दी जाएगी।

रेल परिचालन के बहाली से सामाजिक व व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। इसे वादी में जनजीवन की पूरी तरह बहाली का एक बड़ा संकेत माना जा रहा है। रेल सेवा की बहाली से पर्यटन क्षेत्र को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। सर्दियों में पर्यटकों के लिए रेल का सफर रोमांचकारी होता है। इसके अलावा पीरपंजाल पर्वत श्रृंखला में देश की सबसे लंबी 11 किलोमीटर लंबी रेलवे सुरंग भी बनिहाल-बारामुला रेलवे सेक्शन पर ही है। यह सुरंग भी पर्यटकों को पूरे साल लुभाती है।

रेल सेवा की बहाली सामान्य स्थिति के बहाल होने की पुष्टि : मंडलायुक्त कश्मीर बसीर अहमद खान ने बताया कि हमें जानमाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल सेवा को बंद करना पड़ा था। हालात में सुधार और सभी एजेंसियों से बातचीत के आधार पर ही रेल सेवा को बहाल किया गया है। बारामुला-श्रीनगर सेक्शन में रेल सेवा बहाल हो गई है। हालांकि पहले तय था कि बनिहाल तक रेलगाड़ी को चलाया जाएगा। ट्रायल रन भी हो गया था, लेकिन कुछ औपचारिकताएं शेष रहने से इसे बहाल नहीं किया गया। एक दो दिन में पूरे मार्ग पर रेल परिचालन सामान्य हो जाएगा।

विस्टाडोम का तोहफा देने के लिए हम तैयार : डिवीजनल रेलवे मैनेजर राजेश अग्रवाल ने कहा कि हालात के पूरी तरह सामान्य होने पर हम कश्मीर के लोगों और पर्यटकों को विस्टाडोम का तोहफा देने के लिए तैयार हैं। विस्टाडोम कश्मीर में आ चुकी है। इसे सिर्फ पटरी पर लाना शेष है। कुछ सुरक्षा चिंताएं दूर होते ही कश्मीर की सुंदरता और हिमालय की खूबसूरत पहाड़ियों को रेलयात्री विस्टाडोम कोच से देख सकेंगे। इस कोच में शीशे की छत और खिड़कियां होंगी। इसमें चारों तरफ घूमने वाली लग्जरी कुर्सियां और एलईडी डिस्प्ले स्क्रीन भी होंगी। इस समय पूरे देश में दो या तीन जगहों पर ही विस्टाडोम रेलगाड़ी की सेवा उपलब्ध है।

एम्स में कार्यकारी निदेशक के लिए नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। जम्मू संभाग के सांबा जिला के विजयपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) शुरू करने के लिए केंद्र सरकार ने कार्यकारी निदेशक (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर) पद पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विजयपुर में जहां एम्स का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, वहीं केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। सांबा के अलावा गुजरात के राजकोट, हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, असम के गुवाहटी और तमिलनाडु के मदुरई में भी बन रहे एम्स के लिए कार्यकारी निदेशक के पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस पद के लिए जम्मू-कश्मीर से भी कई प्रोफेसर दावेदार हैं। मेडिकल कॉलेज जम्मू में कुछ प्रोफेसर दस साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। उनका भी प्रयास होगा कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के पहले कार्यकारी निदेशक के पद पर तैनात होकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाएं। हालांकि एम्स में देश के किसी भी भाग से कोई भी योग्य प्रोफेसर कार्यकारी निदेशक बन सकता है।

गौरतलब है कि महीनों चले विवाद के बाद सांबा के विजयपुर में 1954 कनाल, छह मरला भूमि पर एम्स बन रहा है। इस पर कुल 1661 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एम्स में तीन हजार फैकल्टी और अन्य पद होंगे। 15 से 20 सुपर स्पेशलिटी विभाग होंगे। इनमें अंडर ग्रेजुएट की 100 सीटें होंगी। वहां बीएससी नर्सिंग की भी पढ़ाई होगी और 60 सीट होंगी।

डोडा में यात्री वाहन खाई में गिरा, 16 लोगों की मौत

डोडा जिले के खिलैनी में मंगलवार को खाई में गिरने से वाहन के परखच्चे उड़ गए। जागरण

जागरण संवाददाता, किश्तवाड़

जम्मू के डोडा जिले के खिलैनी इलाके में मंगलवार को एक यात्री वाहन सड़क से करीब 700 फीट नीचे से गुजर रहे बटोत-डोडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जा गिरा। हादसे में 16 यात्रियों की मौत और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मारे गए व घायल सभी स्थानीय निवासी हैं।

यात्री वाहन क्रूजर ट्रैक्स नंबर जेके 06-1182 दोपहर को यात्रियों को लेकर खिलैनी से मंगोता गांव के लिए रवाना हुआ। वाहन में चालक व चार छोटे बच्चों सहित कुल 17 यात्री सवार थे। वाहन खिलैनी से महज एक किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि एक तीखे मोड़ पर चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क से नीचे लुढ़कते हुए करीब वाहन 700 फीट नीचे से गुजर रहे डोडा-बटोत हाईवे पर आ गिरा। इतनी ऊंचाई से गिरने की वजह से वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन को सड़क से नीचे गिरते देख मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचित किया। इसके साथ ही लोगों ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक मोबाइल पर बात कर रहा था।

हादसे के कुछ ही समय बाद 159 टीए और सीआरपीएफ के जवान व खिलैनी चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। हादसे की सूचना मिलने के बाद एसएसपी डोडा मुमताज अहमद, डीएसपी मुख्यालय मनोज कुमार, एसएचओ डोडा रूप खान सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हादसे में 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव अभियान में आधे घंटे के अंदर ही हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों को डोडा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चार ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एक अन्य घायल को गंभीर हालत में जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

न्यूज गैलरी

भारतीय सेना पाक सीमा के पास दिखाएगी ताकत

जयपुर : भारतीय सेना की 21 स्ट्राइक कोर पाकिस्तान से सटे बाड़मेर में युद्धाभ्यास करेगी। बुधवार से शुरू होने वाला यह युद्धाभ्यास 18 नवंबर तक चलेगा। युद्धाभ्यास में सेना के 40 हजार जवान अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इसमें पहली बार शूटर ग्रिड सेंसर का प्रयोग किया जाएगा। युद्धाभ्यास के दौरान चंद घंटों में दुश्मन के इलाकों पर कब्जा करने का पराक्रम जवान दिखाएंगे। छह दिन तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास में थलसेना और वायुसेना के जवान लगातार 12 घंटे तक युद्ध करने का कौशल दिखाएंगे। तीन माह से अब तक पोकरण क्षेत्र के आसपास फायर पावर का संयुक्त अभ्यास किया जा रहा था, लेकिन अब पाकिस्तान से सटे बाड़मेर में युद्धाभ्यास होगा। युद्धाभ्यास के दौरान टैंक और अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों से जमीनी लड़ाई लड़ने के साथ ही युद्ध जीतने के लिए हवाई ताकत का भी प्रयोग किया जाएगा। हवाई ताकत का अभ्यास करने के लिए जोधपुर एयरबेस से लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे और अपने टारगेट को निशाना बनाएंगे। युद्धाभ्यास में वायुसेना के लड़ाकू विमान सुखोई, मिग, जगुआर और रुद्र दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों को ध्वस्त करेंगे। (जासं)

दो लाख रुपये के इनामी समेत दो नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा : छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पुलिस और डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने तुमनार चौक से मंगलवार को दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो लाख रुपये का इनामी एक नक्सली 16 नंबर प्लाटून का सदस्य है, जबकि दूसरी महिला नक्सली चेतना नाट्य मंडली (सीएनएम) की सदस्य है। दोनों नक्सली इंद्रावती एरिया कमेटी में सक्रिय थे। पुलिस के अनुसार लालूराम वेको और लेकाम बुधरी नक्सली नेताओं के कहने से तुमनार इलाके में वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। (नईदुनिया)

हैदराबाद स्थित संगठन के पांच कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

हैदराबाद : हैदराबाद स्थित संगठन दरसगाह जिहाद-ओ-शहादत के पांच कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ये सभी अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में मीडिया को संबोधित करने जा रहे थे। यह जानकारी मंगलवार को पुलिस ने दी। संगठन के अध्यक्ष अब्दुल माजिद समेत अन्य पदाधिकारियों को मिली सूचना के आधार पर सुरक्षा के तहत हिरासत में लिया गया है। (प्रेट्र)

पाकिस्तानी सेना की तीन चौकियां तबाह, तीन सैनिक भी ढेर

जागरण संवाददाता, पुंछ : तीन दिन की शांति के बाद मंगलवार को पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर पुंछ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गोलाबारी शुरू कर दी। भारतीय सेना ने भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। इसमें पाक सेना की तीन चौकियों को तबाह करने के साथ तीन पाकिस्तानी सैनिकों के भी मारे जाने की सूचना है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे पाकिस्तानी सेना ने शाहपुर किरनी सेक्टर, बनपत और देगवार सेक्टर में भारत की अग्रिम चौकियों को निशाना बनाने के साथ रिहायशी क्षेत्रों पर भी मोर्टार दागने शुरू कर दिए। इन सेक्टरों में भारतीय सेना ने जैसे ही जवाबी कार्रवाई की तो पाक सेना ने बालाकोट व मेंढर सेक्टर में भी भारी गोलाबारी शुरू कर दी। यहां भी भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इस कार्रवाई में पाक सेना की तीन चौकियां तबाह और करीब तीन जवान भी मारे गए हैं। वहीं, भारतीय क्षेत्र में किसी नुकसान की सूचना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, पाक सेना आतंकवादियों के दल को भारतीय क्षेत्र में दाखिल करवाने के लिए गोलाबारी कर रही है।

कश्मीर में मुठभेड़, मारा गया लश्कर आतंकी खालिद

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : सुरक्षाबलों ने वादी में अपने आतंकरोधी अभियानों में तेजी लाते हुए मंगलवार को गांदरबल के गुंड में हुई भीषण मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी आतंकी खालिद उर्फ जिब्रान को मार गिराया। फिलहाल, उसके अन्य साथियों को मार गिराने के लिए सुरक्षाबलों ने अभियान जारी रखा हुआ है। मुठभेड़स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया गया है। बीते तीन दिनों में कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पूर्व रविवार को बांडीपोरा में हुई मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए थे। यह मुठभेड़ जिला गांदरबल में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग के पास कुलन गुंड इलाके के ऊपरी हिस्से में हुई है। सुरक्षाबलों को इस इलाके में तीन से चार आतंकियों के एक गुट के छिपे होने की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि यह आतंकी उत्तरी कश्मीर से श्रीनगर और दक्षिण कश्मीर में बने अपने किसी ठिकाने की तरफ जा रहे थे। अलबत्ता, सुरक्षाबलों ने इनको कुल्लन-गुंड इलाके में घेर लिया और उसके बाद हुई मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। एसएसपी गांदरबल खलिल पोस्वाल ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकी की पहचान लश्कर के खालिद उर्फ जिब्रान के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान का रहने वाला था। उसके शव के पास से हमने असाल्ट राइफल, मैगजीन, कारतूस व अन्य साजो सामान जब्त किया है। उसके एक या दो साथी और हो सकते हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए हमने अपनी घेराबंदी जारी रखी हुई है। सूत्रों ने बताया कि मुठभेड़स्थल से जो सामान मिला है, उससे इस बात का संकेत मिल रहे हैं कि यह आतंकी कुछ समय पहले ही गुलाम कश्मीर से घुसपैठ कर कश्मीर घाटी में दाखिल हुए हैं।

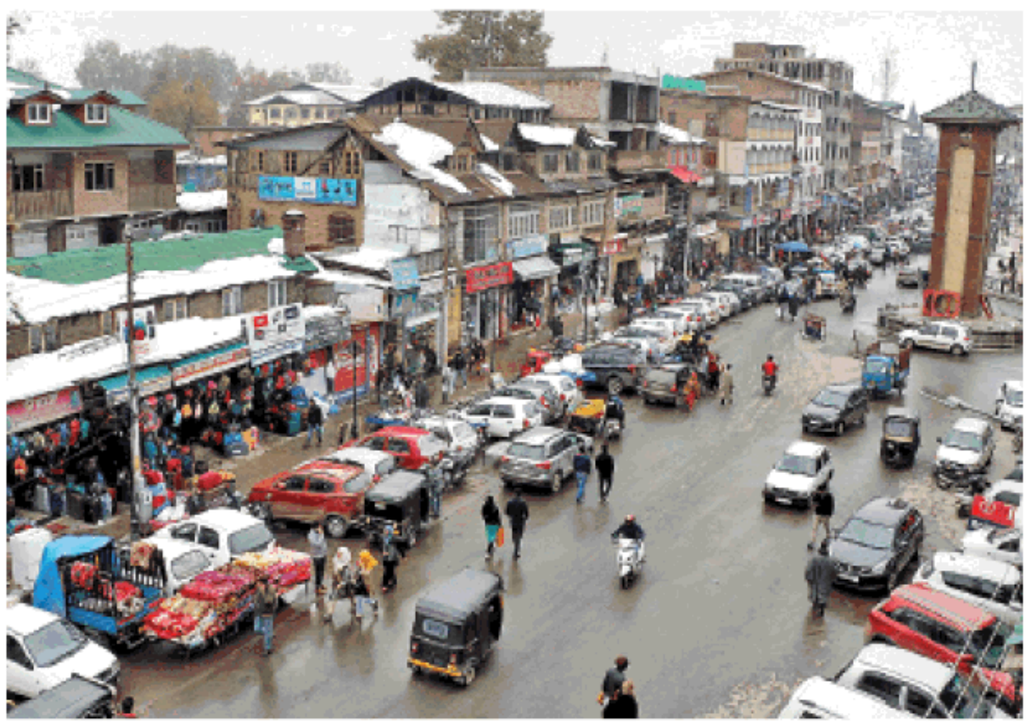

पटरी पर जनजीवन...

न कोई हिंसा-न तनाव। वाकई, यह उम्मीदों का नया कश्मीर है। श्रीनगर का दिल कहे जाने वाले लाल चौक में मंगलवार को खूब चहल-पहल दिखी। खुली दुकानें और सरपट भागते वाहन। खरीदारों की भी भीड़ लगी रही। सार्वजनिक परिवहन सेवा पहले ही सुचारु हो चुकी है और रेल सेवा भी शुरू हो गई है। पिछले दिनों कश्मीर में हुई बर्फबारी से ठंड जरूर है, लेकिन शांत महौल का जोश फिजाओं में घुला हुआ है। कामरान रशीद बट

पिथौरागढ़ में चीन सीमा तक निर्माणाधीन सड़क की एक और बाधा हुई दूर

संवाद सूत्र, धारचूला (पिथौरागढ़)

- नजंग से मालपा तक चट्टानों के बीच से सड़क काटने में मिली सफलता
- चीन सीमा लिपूलेख तक सड़क निर्माण का कार्य अंतिम चरण में

गर्बाधार से चीन सीमा लिपूलेख तक बन रही सड़क निर्माण में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने एक और कठिन बाधा पार कर ली है। नजंग से मालपा तक चट्टानों के बीच से सड़क काट दी गई है। अब मालपा से चलसीता तक ढाई किमी सड़क कटान होते ही चीन सीमा तक सड़क तैयार हो जाएगी।

गर्बाधार से व्यास घाटी में चीन सीमा लिपूलेख तक सड़क निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। चीन सीमा तक बन रही सड़क निर्माण में गर्बाधार से मालपा व चलसीता तक का आठ किमी क्षेत्र सबसे बड़ी चुनौती था जबकि इससे आगे नाबीढांग तक सड़क का कटान पहले ही हो चुका है। 2006 से शुरू हुई इस सड़क परियोजना में गर्बाधार से नजंग व मालपा तक कटान सबसे कठिन हो गया था। गर्बाधार से नजंग तक सड़क निर्माण के दौरान पिछले वर्ष भारी भूस्खलन से बाधा उत्पन्न हो गई थी। इससे कैलास मानसरोवर यात्रा भी पिथौरागढ़ से गुंजी तक हेलीकॉप्टर से संचालित करनी पड़ी।

इस बार जून से पूर्व गर्बाधार से नजंग तक कठोर चट्टानों को काट कर सड़क बना दी गई थी। नजंग से मालपा तक तीन किमी सड़क निर्माण की चुनौती थी। क्षेत्र में बीआरओ ने एक निजी कंपनी को निर्माण कार्य सौंपा था। अब नजंग से मालपा तक भी सड़क काटी जा चुकी है। केवल मालपा से चलसीता तक मात्र दो से ढाई किमी सड़क कटान होना शेष है।

भूकंप के झटकों से मकानों में आई दरार

जासं, पिथौरागढ़ : चीन-नेपाल सीमा से लगे पिथौरागढ़ के साथ ही आसपास के क्षेत्र में मंगलवार सुबह भूकंप का झटका महसूस किया गया। सुबह करीब साढ़े सात बजे आए झटके से लोग दहशत में आ गए। भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ जिले की तहसील मुनस्यारी में ही दस किलोमीटर की गहराई में था और इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 थी। मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे पिथौरागढ़ जिले में धरती डोल उठी। यह झटका करीब चार सेकंड तक महसूस किया गया। घबराए लोग घरों से बाहर निकल गए। जिला प्रशासन के अनुसार मुनस्यारी क्षेत्र में कुछ मकानों की दीवारों पर हल्की दरारें आई हैं। प्रशासन ने सभी राजस्व टीमों को भूकंप से हुए नुकसान की जानकारी जुटाने के लिए रवाना किया है।

कुशीनगर मस्जिद में विस्फोट पर मौलाना समेत चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कुशीनगर

- इनवर्टर की बैट्री फटने से धमाके की बात कर किया गया था गुमराह
- गांव के कुछ युवकों ने रखा मस्जिद में विस्फोटक

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर की मस्जिद में सोमवार को हुआ विस्फोट इनवर्टर से नहीं, बारूद से हुआ था। जांच में इसका पर्दाफाश होने के बाद सुरक्षा एजेंसियां मस्जिद में बारूद कनेक्शन की छानबीन में जुट गई हैं। पुलिस ने मामले में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मस्जिद के मौलाना समेत चार को गिरफ्तार कर लिया है।

सोमवार को दोपहर मस्जिद में हुआ विस्फोट इतना तेज था कि मस्जिद के खिड़की-दरवाजे टूट गए थे और दीवारों में दरारें पड़ गईं थीं। गांव के लोग इस धमाके से दहल गए थे। एसपी विनोद कुमार मिश्र भी मौके पर पहुंचे थे, तब मस्जिद के मौलाना अजमुद्दीन ने यह कहते हुए पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी कि इनवर्टर की बैट्री फटने से विस्फोट हुआ।

एटीएस आइबी और एलआइयू ने की जांच : मंगलवार को एटीएस गोरखपुर, आइबी व एलआईयू कुशीनगर की टीम ने मस्जिद की बारीकी से छानबीन की और मौलाना अजमुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। तब पूछताछ में मौलाना ने सुरक्षा एजेंसियों को बताया कि गांव के ही कुछ युवकों ने मस्जिद में बारूद रखा था। मौलाना ने सिलसिलेवार घटनाक्रम से जुड़े राज उजागर कर दिए।

मौलाना से पूछताछ के बाद पुलिस से तीन अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया। युवकों ने बारूद किस मकसद से और क्यों रखा, यह बड़ा सवाल है। पुलिस इस संबंध में आरोपितों से पूछताछ कर रही है। मस्जिद को हुई क्षति को देख सुरक्षा एजेंसियां यह मान रहीं हैं कि बारूद की मात्रा लगभग एक किलोग्राम या इससे अधिक रही होगी। हालांकि विस्फोट कितना घातक था, इसका पता फारेंसिक रिपोर्ट के बाद ही चलेगा।

100 दिन बाद भी सियासी सूनापन नहीं हुआ दूर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन का कार्य पूरा हो चुका है और दो नए केंद्रशासित प्रदेशों का उदय हो चुका है पर तीन पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और महबूबा 100 दिन बाद भी हिरासत में हैं। इनके अलावा 300 राजनीतिक नेता व कार्यकर्ता भी अलग अलग जगहों पर नजरबंद या हिरासत में हैं। इसके कारण प्रदेश में सियासी गतिविधियां लगभग ठप हैं। केवल भाजपा ही कुछ सक्रियता दिखाने का प्रयास कर रही है।

गौरतलब है कि पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 को लागू किए जाने से पूर्व राज्य सरकार ने एहतियात के तौर पर नेकां अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती समेत सभी प्रमुख राजनीतिक नेताओं व कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया या फिर उन्हें उनके घरों में नजरबंद रखा। सिर्फ भाजपा से जुड़े नेता ही एहतियातन हिरासत और नजरबंदी से मुक्त रहे। हालांकि हालात में सुधार के आधार पर राज्य सरकार ने बड़ी संख्या में राजनीतिक नेताओं को रिहा किया गया। तीनों पूर्व मुख्यमंत्री और 34 अन्य बड़े नेताओं समेत मुख्यधारा की राजनीति से जुड़े करीब 250 नेता व कार्यकर्ता फिलहाल बंद हैं।

हेरोइन का मामला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने हेरोइन तस्करी को गैर जमानती अपराध बनाने का प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया

सख्त कानून पर केंद्र का रुख नरम

रमेश सिंगटा, शिमला

हिमाचल की जवानी बेशक चिट्टे के चंगुल में फंस रही है, लेकिन अभी पांच ग्राम तक हेरोइन (चिट्टा) पकड़ने पर पुलिस से ही जमानत हो पाएगी। इसे गैर जमानती अपराध बनाने के सीआइडी के प्रस्ताव को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्वीकार नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार इसमें मंत्रालय ने कई तरह की आपत्तियां जताई हैं। अब पहले इन्हें दूर करना होगा, इसके बाद ही केंद्र सरकार तय करेगी कि प्रस्ताव को दोबारा से स्वीकार करे या रद। आपत्तियां लगाने से सरकार की नशे के खिलाफ सख्त कानून बनाए जाने की मुहिम को झटका लगा है।

मादक द्रव्य पदार्थों की तस्करी पर रोक के लिए की गई हैं बैठकें : पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह तो नशे के सौदागरों को मौत की सजा जैसा सख्त प्रावधान की वकालत करते रहे हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी मादक द्रव्य पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ बैठकें कर चुके हैं। इस दिशा में पुलिस, खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल स्थापित करने के लिए तंत्र विकसित करने की दिशा में नई पहल की है। अगर इस पर अमल किया गया तो आने वाले वक्त में हेरोइन तस्करों पर लगाम लगाना आसान हो सकता है।

क्या है प्रस्ताव : स्टेट सीआइडी के अधीन नारकोटिक्स क्राइम कंट्रोल विंग कार्य कर रहा है। इस विंग ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा। सरकार ने इसे गृह मंत्रालय को प्रेषित किया। इसमें कहा गया है कि हेरोइन की कमर्शियल क्वांटिटी (व्यावसायिक मात्रा) 250 ग्राम की जगह 50 ग्राम रखी जाए। इससे कोर्ट से आरोपित की जमानत नहीं हो पाएगी। पांच ग्राम तक की मात्रा को स्माल केटेगरी में न रखा जाए, ताकि पुलिस को जमानत देने की शक्ति न रहे। 50 ग्राम से नीचे की मात्रा को मीडियम केटेगरी में रखा जाए।

जमानत के लिए यह है नियम : मौजूदा एनडीपीएस एक्ट में प्रावधान के मुताबिक पांच ग्राम तक की हेरोइन या चिट्टे की मात्रा को स्माल, पांच से 250 ग्राम तक की मात्रा को मीडियम, 250 ग्राम या इससे अधिक को कमर्शियल में माना जाता है। मध्यम मात्रा में जमानत कोर्ट से करवानी पड़ती है। साधारण स्थितियों में एक या दो माह के अंदर आरोपित को जमानत मिल जाती है। कमर्शियल में जमानत नहीं मिलती है।

पंद्रह नवंबर से विशेष अभियान

नशे के खिलाफ सरकार 15 नवंबर से राज्य में विशेष अभियान चलाएगी। इसके लिए मुख्य सचिव डॉ. श्रीकांत बाल्दी ने सभी विभागों को निर्देश जारी कर दिए हैं। इनके तहत शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को नशे के दूर रहने के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

लटका विधेयक

उधर, राज्य सरकार के उस विधेयक को केंद्र से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है, जिसमें मादक द्रव्य पदार्थों की थोड़ी अथवा छोटी मात्रा को भी जमानत न मिलने की व्यवस्था की है। यह विधेयक पिछले वर्ष शीतकालीन सत्र में पारित किया था। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है।

ऑपरेशन कर पेट में छोड़ा तौलिया, महिला की मौत

जासं, बागपत : पित्त की थैली से पथरी निकालने के ऑपरेशन के दौरान पेट में तौलिया छोड़ने के कारण महिला की मौत हो गई। परिजनों ने जिला अस्पताल के सर्जन पर आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। उप्र के बागपत स्थित पुराना कस्बा के मोहल्ला मल्लाहान निवासी कौशीद के मुताबिक उसकी पत्नी बेगम निशा के पेट में पित्त की थैली थी। जिला अस्पताल के एक सर्जन ने पत्नी का ऑपरेशन किया और तीन दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी। इसके बाद भी उसके पेट का दर्द ठीक नहीं हुआ।

30 अक्टूबर को निशा का ऑपरेशन दिल्ली के हिंदू राव अस्पताल में हुआ तो उसके पेट से तौलिया व बैंडेज निकाला। 8 नवंबर को निशा की अस्पताल में मौत हो गई। कौशीद का आरोप है कि उसकी पत्नी की मौत बागपत के जिला अस्पताल के चिकित्सक की लापरवाही से हुई है। उसने दिल्ली पुलिस को तहरीर दी। वहीं जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीएलएस कुशवाहा का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। यदि इस तरह की शिकायत सामने आती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पार्टी में पद पाने के लिए नेता बनवा रहे हैं फर्जी अंक सूची

नईदुनिया, मुरैना

- मध्य प्रदेश के मुरैना में होने वाले हैं संगठनात्मक चुनाव
- मंडल अध्यक्ष के लिए 35 वर्ष आयु सीमा है निर्धारित

आमतौर पर नौकरी के लिए फर्जी अंक सूची तैयार कराने व उपयोग करने के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन पहली बार किसी राजनीतिक संगठन में पद पाने के लिए लोगों द्वारा फर्जी अंक सूची बनवाए जाने की खबर आ रही है। इसके पीछे मंशा यह है कि उम्मीदवार चुनाव के समय अपनी उम्र को कम साबित कर सकें। मामला मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में भाजपा के संगठनात्मक चुनाव से जुड़ा है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के संगठनात्मक चुनाव 15 व 16 नंवबर को होने वाले हैं। संगठन ने इस बार तय किया है कि मंडल अध्यक्ष 35 साल तक के कार्यकर्ता ही बन सकते हैं। ऐसे में जो नेता व कार्यकर्ता उम्र की वजह से इस दौड़ से बाहर हो रहे हैं, वे प्रयास कर रहे हैं कि किसी न किसी तरह उन्हें मंडल अध्यक्ष बनने का मौका मिल जाए। चूंकि 10वीं कक्षा की मार्कशीट में लिखी जन्मतिथि को आधार माना जाता है और बोर्ड से तुरंत फर्जी मार्कशीट की जांच कराई जा सकती है, इसलिए नेता व कार्यकर्ता संगठन के सामने अपनी शैक्षणिक योग्यता को कम बता रहे हैं। साथ ही पांचवीं व आठवीं कक्षा की मार्कशीट बनवा रहे हैं, क्योंकि दोनों की कक्षाओं की परीक्षा स्कूल संचालक स्थानीय स्तर पर कराते हैं।

ये बात सही है कि मंडल अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी करने वाले कई नेता व कार्यकर्ता अपनी उम्र को कम करके दिखाने व चुनाव के योग्य बनाने के लिए फर्जी मार्कशीट तैयार करा रहे हैं। इसलिए आगामी मंडल अध्यक्ष के चुनाव के दौरान उम्मीदवार की बोर्ड परीक्षा की मार्कशीट को ही मान्य किया जाएगा।

-गजराज सिंह सिकरवार, पूर्व विधायक व चुनाव प्रभारी